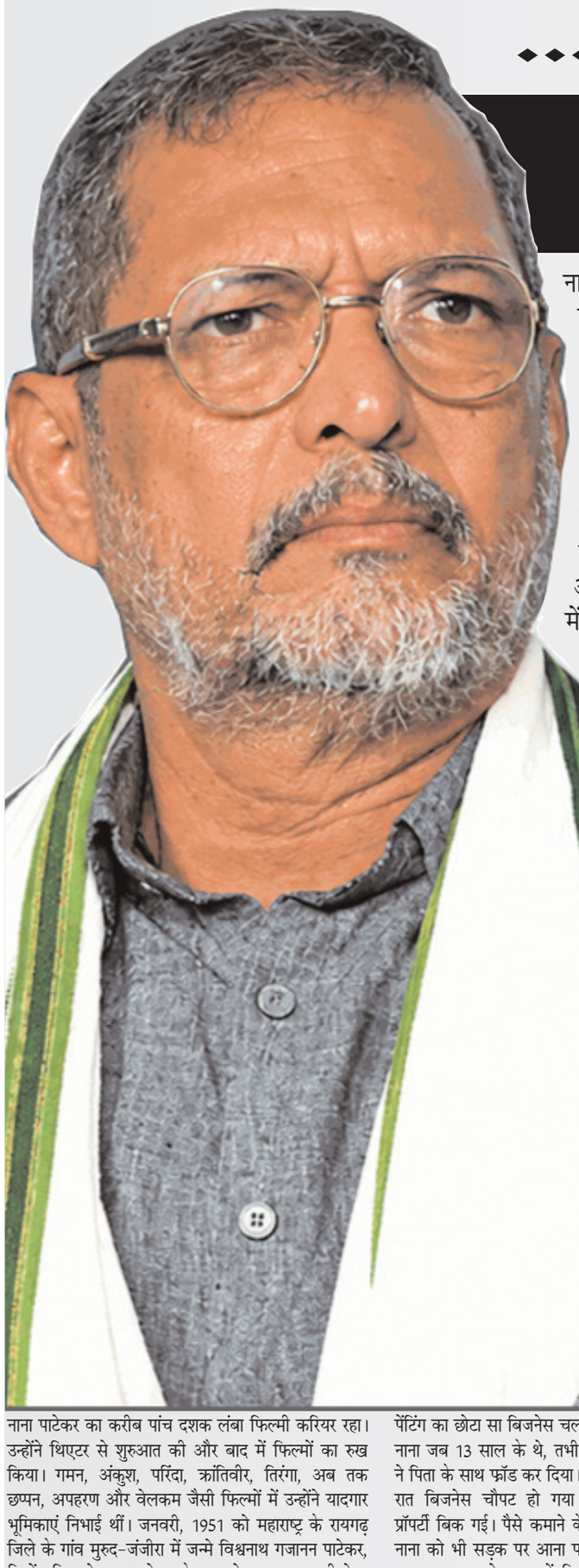
9 OCT 12 2026.qxd 08-10-2026 22:15 Page 1

...चला गया सिनेमा का क्रांतिवीर



नाना पाटेकर फिल्म अभिनेता के साथ लेखक और फिल्म निर्माता भी थे। नाना हिन्दी फिल्मों के मशहूर अभिनेता माने जाते हैं। उनके अभिनय के सभी कायल हैं और यही कारण है कि उन्हें आज तक कई बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और फिल्मफेयर पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें पद्मश्री सम्मान भी मिल चुका है। वे इंडस्ट्री में अपने डायलाग को बोलने की स्टाइल को लेकर काफी मशहूर थे। उनके अभिनय के दीवाने आपको हर आयु वर्ग में मिल जाएंगे। नाना का जन्म मुरूड-जंजीरा, रायगढ़, महाराष्ट्र में हुआ था। उनके पिता का नाम दिनकर पाटेकर और मां का नाम संजनाबाई पाटेकर है। नाना की पढ़ाई सर जे जे इंस्टीट्यूट आफ अप्लाईड आर्ट, मुंबई से हुई थी। नाना पाटेकर का विवाह 1978 में नीलाकांती पाटेकर से हुआ था। दोनों लंबे समय से अलग रह रहे थे, हालांकि उनका कानूनी तलाक नहीं हुआ था। दंपति के दो बेटे थे-दुर्वासा पाटेकर और मल्हार पाटेकर; दुर्वासा का बचपन में निधन हो गया था। मल्हार पाटेकर फिल्म निर्माण और निर्देशन से जुड़े रहे हैं और उन्होंने असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम किया था। नाना के करियर की शुरूआत फिल्म गमन से हुई थी लेकिन इंडस्ट्री में उन्हें फिल्म परिंदा से नोटिस किया गया जिसमें उन्होंने खलनायक की भूमिका अदा की थी। इस फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार भी दिया गया। इसके बाद उन्होंने कई अच्छी फिल्मों में काम किया और अपने अभिनय का लोहा मनवाया। क्रांतिवीर, खामोशी, यशवंत, अब तक छप्पन, अपहरण, वेलकम, राजनीति उनकी प्रमुख फिल्मों में से एक हैं।



खूनी व बादी बवासीर में बेहद असरकारक

अर्शवेदा कैप्सूल

सुविचार

जो लोग आज की मेहनत करते हैं, वे भविष्य में सफलता पाते हैं।

• 100% आयुर्वेदिक • सुरक्षित • असरदार

Customer Care : 9628078000

www.rphealthgroup.com

Also available at TATA 1mg | amazon | Flipkart

नाना पाटेकर का करीब पांच दशक लंबा फिल्मी करियर रहा। उन्होंने थिएटर से शुरुआत की और बाद में फिल्मों का रुख किया। गमन, अंकुश, परिंदा, क्रांतिवीर, तिरंगा, अब तक छप्पन, अपहरण और वेलकम जैसी फिल्मों में उन्होंने यादगार भूमिकाएं निभाई थीं। जनवरी, 1951 को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के गांव मुरुद-जंजीरा में जन्मे विश्वनाथ गजानन पाटेकर, जिन्हें दुनिया ने नाना पाटेकर के नाम से जाना। बगावती तेवर वाले नाना बचपन से ही बाकी बच्चों से अलग रहे। समाज की कुरीतियों को कला के माध्यम से दिखाना चाहते थे। इसलिए पहले थिएटर में आए, फिर फिल्मों का रुख किया। नाना अपने गुस्सैल स्वभाव के लिए भी चर्चा में रहते थे। जब रवि चोपड़ा ने उन्हें रेपिस्ट का रोल ऑफर किया तो उन्होंने गाली दे दी थी। फिल्म परिंदा की शूटिंग के वक्त नाना और फिल्म के डायरेक्टर विधु विनोद चोपड़ा भिड़ गए थे। नाना के पिता टेक्सटाइल पेंटिंग का छोटा सा बिजनेस चलाते थे। नाना जब 13 साल के थे, तभी किसी ने पिता के साथ फ्रॉड कर दिया। रातों-रात बिजनेस चौपट हो गया। सारी प्रॉपर्टी बिक गई। पैसे कमाने के लिए नाना को भी सड़क पर आना पड़ा। वे सुबह स्कूल जाते, शाम में फिल्म के पोस्टर पेंट करते थे। जहां पोस्टर पेंट करते थे, वहां से घर की दूरी 8 किलोमीटर थी। इस तरह दिन में 16 किलोमीटर की दूरी पैदल ही तय करते थे। इस काम के लिए हर महीने 35 रुपए मिलते थे। यह बात 1963 के आस-पास की है। पैसों की इतनी किल्लत थी कि कभी-कभार खाना भी नसीब नहीं होता था। लंच या डिनर टाइम में नाना यूं ही अपने दोस्तों से मिलने चले जाते थे। इस उम्मीद में कि सामने से कोई दो रोटी खाने को पूछ ले। नाना बचपन में बहुत शरारती थे। इतने शरारती कि टीचर इन्हें बगल में बिठाकर रखते थे, ताकि मारने के लिए बार-बार उठना न पड़े। शरारत इतनी बढ़ गई कि नाना की मां ने उन्हें छठी कक्षा के बाद अपनी बहन के गांव भेज दिया। मां को लगा कि दूसरी जगह जाएगा तो सुधर जाएगा। नाना अपनी मौसी के घर एक-दो साल रहे, फिर वापस आ आए। मौसी ने ही उन्हें वापस भेज दिया। उन्हें डर था कि नाना की संगत में कहीं उनके बच्चे ही न बिगड़ जाएं। नाना पाटेकर के परिवार में अब उनकी पत्नी नीलकांति और बेटे मल्हार हैं। नाना और नीलकांति ने अपनी शादीशुदा जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखे। दोनों ज्यादातर समय अलग-अलग रहे, लेकिन उन्होंने कभी तलाक नहीं लिया। नाना ने इंटरव्यू में बताया था कि उनकी मुलाकात नीलकांति से नाटक 'जात न पूछो साधु की' के दौरान हुई थी। नीलकांति भी इस नाटक में बतौर एक्टर काम कर रही थीं। उस समय नीलकांति बैंक में अधिकारी के तौर पर नौकरी भी करती थीं। नाना ने कहा था, वह बैंक में अधिकारी के तौर पर काम कर रही थीं। मुझे एक शो के 50 रुपए मिलते थे, जबकि उनकी सैलरी 2500 रुपए थी। 15-20 शो करने के बाद मैं सिर्फ 750 रुपए कमा पाता था। नाना के मुताबिक, नीलकांति ने उनसे कहा था कि अगर वह एक्टिंग को करियर बनाना चाहते हैं तो वह पहले से कमाई कर रही हैं, इसलिए परिवार के पास पैसे आते रहेंगे। नाना ने कहा था कि वह नीलकांति की वजह से ही इस पेशे को आगे बढ़ा सके, क्योंकि उस समय उन्हें नहीं पता था कि वह इसमें सफल होंगे या नहीं। कुछ साल बाद नीलकांति ने एक्टिंग छोड़ दी और परिवार की देखभाल करने लगीं। इस समय तक नाना और नीलकांति अलग-अलग रहने लगे थे। नीलकांति, नाना की मां और बेटे मल्हार के साथ रहती थीं, जबकि नाना अलग रहते थे। नाना के बड़े बेटे दुर्वासा का निधन महज ढाई साल की उम्र में हुआ था। उन्होंने बताया कि बेटे का नाम 'सबसे गुस्सैल ऋषि' के नाम पर रखा गया था और जन्म के समय उसे कुछ शारीरिक परेशानियां थीं। नाना ने बताया था कि उनके बड़े बेटे का जन्म कटे हुए तालू के साथ हुआ था और उसे एक आंख से देखने में भी परेशानी थी। उन्होंने स्वीकार किया कि बेटे को देखकर उनके मन में सबसे पहले यह विचार आया था कि लोग उनके बारे में क्या सोचेंगे। उन्होंने कहा था कि उस समय उनकी पहली चिंता बेटे की परेशानी नहीं, बल्कि लोगों की प्रतिक्रिया थी। दुर्वासा की मौत को याद करते हुए नाना ने कहा था कि वह ढाई साल की उम्र में चला गया, लेकिन उसने उन्हें बहुत कुछ सिखाया। उन्होंने बताया कि वह लंबे समय तक दुख में नहीं डूबे और हमेशा मुश्किल परिस्थितियों में भी खुद को संभालकर रखने की कोशिश की। बेटे की मौत के बाद नाना ने बहुत ज्यादा सिगरेट पीना शुरू कर दिया था। एक्ट्रेस स्मिता पाटिल ने नाना को बीआर. चोपड़ा के बेटे रवि चोपड़ा के पास भेजा था। रवि चोपड़ा उस वक्त फिल्म 'आज की आवाज' बना रहे थे। उन्होंने नाना को रेपिस्ट का रोल ऑफर किया। ऑफर सुनते ही नाना भड़क उठे। उन्होंने सबके सामने रवि को गालियां बक दीं। नाना ने कहा कि तुम मुझे ऐरा-गैरा आदमी समझते हो, क्या मैं ऐसा रोल करूंगा? यह कहकर नाना वहां से लौटने लगे। तभी स्मिता पाटिल वहां पहुंच गईं। उन्होंने नाना और रवि दोनों को समझाया। तब रवि चोपड़ा ने उन्हें मेन विलेन का रोल ऑफर किया। नाना इस बार भी सीधी तरह नहीं माने। उन्होंने कहा कि मैं कर तो लूंगा, लेकिन अपना किरदार खुद लिखूंगा। आखिरकार उन्होंने फिल्म में काम कर लिया था। फिल्म परिंदा की शूटिंग के दौरान डायरेक्टर विधु विनोद चोपड़ा और नाना पाटेकर में लड़ाई हो गई थी। यह बात खुद विधु ने एक टीवी रियलिटी शो के दौरान स्वीकारी थी। उन्होंने कहा था, 'नाना हर सीन में गाली देता था। मुझे यह बात बड़ी अजीब लगती थी। मुझे उस वक्त गालियां नहीं आती थीं। नाना बार-बार गालियां दिए जा रहा था। ऊपर से बिना शूटिंग किए घर जाने लगा। मैंने कहा कि पहले पैसे दो, फिर वापस जाओ। कम से कम मेरा नुकसान तो मत कराओ। यही बात कहते हुए मैंने उसका कुर्ता फाड़ दिया।% उन्होंने आगे कहा था, %अभी यह सब चल ही रहा था कि कैमरामैन ने शॉट रेडी कर दिया। आप फिल्म देखिए, एक सीन में नाना बनियान में बैठकर रोता दिखाई देगा। वह शॉट झगड़े के तुरंत बाद लिया गया था। खैर, शॉट परफेक्ट हो गया। बाद में नाना ने मुझे गले लगा लिया।' फिल्म परिंदा के क्लाइमैक्स सीन में नाना पाटेकर को आग में जलते दिखाया गया था। दुर्भाग्यवश, नाना सच में आग में झुलस गए थे। इस वजह से उनकी पूरी स्किन उतर गई थी। दरअसल, उस वक्त की फिल्मों में आर्टिफिशियल फायर जैसी कोई चीज नहीं थी। सेट पर असली आग लगाई जाती थी। फिल्म के डायरेक्टर विधु विनोद चोपड़ा ने नाना को सेफ्टी गार्ड पहनने को कहा था। नाना ने कहा था कि अगर वे सेफ्टी गार्ड पहन लेंगे तो एक्टिंग नेचुरल नहीं लगेगी। फिर भी विधु के कहने पर उन्होंने थोड़ा बहुत खुद को ढंक लिया। हालांकि, जब सीन शुरू हुआ तो आग की लपटें उनके शरीर को छूने लगीं। हाथ-पैर की स्किन झुलस गई। मामला सीरियस हो गया। उन्हें मुंबई के नानावटी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। इस घटना के बाद नाना एक साल तक फिल्मों से दूर रहे। नाना पाटेकर बचपन से आर्मी जॉइन करना चाहते थे। 1991 की फिल्म प्रहार के जरिए उनका यह सपना भी पूरा हो गया। आर्मी बैकग्राउंड पर बनी इस फिल्म की तैयारी के लिए नाना ने तीन साल तक आर्मी ट्रेनिंग प्रोग्राम किया था, जहां उन्हें कैप्टन की मानद रैंक दी गई थी। 1999 में पाकिस्तान के साथ कारगिल वॉर में नाना ने भारतीय सेना को अपनी सेवाएं दी थीं। हालांकि इसके पीछे दिलचस्प कहानी है। नाना ने सेना के एक बड़े अधिकारी को फोन किया और आर्मी जॉइन करने की इच्छा जताई। अधिकारी ने कहा कि आप आम नागरिक हैं, हम आपको आर्मी में नहीं ले सकते। नाना ने तब देश के तत्कालीन रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस को फोन कर दिया। जॉर्ज फर्नांडिस पहले से नाना को जानते थे। पहले तो उन्होंने मना किया, लेकिन जब नाना ने उन्हें अपना आर्मी वाला बैकग्राउंड बताया, तब मान गए। उन्हें हरी झंडी दे दी। नाना कारगिल में दो महीने सेना के साथ जुड़े रहे। वहां वे क्रिक रिएक्शन टीम का हिस्सा थे। क्रिक रिएक्शन टीम में सिर्फ वहीं लोग काम करते हैं, जो औरों से निपुण हों और हर परिस्थिति में लड़ने को तैयार रहें। साल 1986 में रिलीज हुई फिल्म अंकुश नाना पाटेकर के करियर की अहम फिल्मों में से एक थी। इस फिल्म को पूरा करने के लिए नाना ने अपने घर तक को गिरवी रख दिया था।

फिल्म के डायरेक्टर एन. चंद्रा ने नाना को 10 हजार रुपए फीस पर साइन किया था। उन्हें 3 हजार रुपए एडवांस मिले थे, जबकि बाकी 7 हजार रुपए फिल्म बिकने के बाद मिलने थे। नाना उस रकम से स्कूटर खरीदना चाहते थे। शूटिंग के दौरान फिल्म के प्रोड्यूसर के पैसे खत्म हो गए और काम रुक गया। नाना को फिल्म की कहानी और अपने दोस्त एन. चंद्रा पर इतना भरोसा था कि उन्होंने अपना घर गिरवी रखकर करीब 2 लाख रुपए का इंतजाम किया। इस पैसे से फिल्म का काम आगे बढ़ा और अंकुश पूरी हो सकी। फिल्म रिलीज होने के बाद बॉक्स ऑफिस पर सफल रही और नाना पाटेकर को भी पहचान मिली। नाना ने एक नाटक पुरुष (1981) में 16 साल अभिनय किया और लगभग 1800 शो किए। इंटरव्यू में नाना ने बताया कि फिल्म तिरंगा की शूटिंग के दौरान वह घर से केले के फूल की सब्जी बनवाकर लाए थे। राज कुमार ने सब्जी खाई और नाना से कहा कि कीमा बहुत अच्छा बना है। नाना ने उन्हें बताया कि यह कीमा नहीं, बल्कि केले के फूल की सब्जी है।

राज कुमार ने उसे मजाकिया अंदाज में फिर भी कीमा ही कहा था। 1993 बम ब्लास्ट में नाना ने अपना भाई खो दिया था। उनके भाई जिस बस में बैठे, उसी में ब्लास्ट हो गया था। बॉडी पहचान में नहीं आ रही थी। नाना के भाई हाथ में कड़ा पहनते थे। उसी से शव की पहचान हुई थी। जिसमें ब्लास्ट हुआ, उसके आगे वाली बस में नाना की पत्नी नीलकांति बैठी हुई थीं। दरअसल, नाना की पत्नी और भाई साथ ही निकले थे। दोनों एक ही बस में बैठने वाले थे, लेकिन सीट सिर्फ एक ही मिली। नाना के भाई मजबूरन पीछे वाली बस में बैठ गए। अगर उन्हें पहली बस में सीट मिल जाती तो शायद जान बच जाती।



श्रद्धांजलि



पीएम मोदी ने कहा कि नाना पाटेकर एक सच्चे 'क्रांतिवीर' थे, जिन्होंने सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उनकी खामोशी भी उतनी ही असरदार थी, जितनी उनकी आवाज दमदार थी। उन्होंने लगातार देशविरोधी तत्वों पर लगाम लगाने की बात कही। पीएम मोदी ने नाना पाटेकर को श्रद्धांजलि दी और उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना जताई।



केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारतीय सिनेमा के महान अभिनेता नाना पाटेकर के निधन को कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने कहा कि पांच दशकों तक नाना पाटेकर ने अपने सहज अभिनय और दमदार संवाद अदायगी से दर्शकों के दिल पर अमिट छाप छोड़ी। गंभीर सामाजिक विषय हों या हास्य-व्यंग्य, उन्होंने जिस किरदार को निभाया, उसे जीवंत बना दिया। नागपुर में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नाना पाटेकर के निधन पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि नाना पाटेकर उनके बहुत करीबी दोस्त थे और दोनों के बीच कई सालों से परिवार जैसा रिश्ता था। नितिन गडकरी ने कहा कि नाना ने किसानों के लिए बेहद संवेदनशीलता के साथ शानदार काम किया। गडकरी ने कहा कि सामाजिक चेतना, सामाजिक जिम्मेदारी और समाज के प्रति संवेदनशीलता नाना के व्यक्तित्व की खास पहचान थीं।



महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीश ने नाना पाटेकर के बेटे मल्हार से बात की। उन्होंने नाना पाटेकर के निधन पर शोक व्यक्त किया और पाटेकर परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री ने मल्हार को यह भी बताया कि महाराष्ट्र सरकार नाना पाटेकर का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ करने की तैयारी कर रही है। विराट कोहली ने नाना पाटेकर के निधन पर दुख जताते हुए उन्हें भारतीय सिनेमा का सच्चा दिग्गज बताया। उन्होंने कहा कि नाना का काम और उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों तक जिंदा रहेगी। रेस्ट इन पीस, भगवान आपकी आत्मा को शांति दे। अनुपम खेर इस समय वॉशिंगटन डीसी में हैं। वह अपना नाटक खत्म करके निकले ही थे जब कुछ घंटे पहले उन्हें अपने दोस्त नाना पाटेकर के निधन की बेहद दुखद खबर मिली। राजपाल यादव ने हाल ही में वनवास फिल्म में नाना पाटेकर के साथ स्क्रीन शेयर किया था।अल्लू अर्जुन ने नाना पाटेकर के लिए ट्वीट करते हुए लिखा- जबरदस्त कलाकार... प्रेरणादायक अभिनेता... जमीन से जुड़े कलाकार! जो एक ही समय में ऊर्जावान और काव्यात्मक भी थे। भारतीय सिनेमा के सबसे अनोखे रत्नों में से एक। उन्हें हमेशा देखा, उनसे प्रेरणा ली जाएगी और उनकी तारीफ की जाएगी। उनकी कलाकारी हमेशा याद रखी जाएगी। उनके करीबी लोगों के प्रति प्यार और संवेदनाएं।%आदित्य धर ने इंस्टा स्टोरी में नाना पाटेकर के लिए एक खूबसूरत मैसेज शेयर किया। उन्होंने लिखा- %कुछ लोग हमारे बीच यादों से बढ़कर होते हैं। वह हमारे दिल में अपना एक छोटा सा टुकड़ा छोड़ जाते हैं। नाना पाटेकर जी आपकी बहुत याद आएगी। रेस्ट इन पीस। शत्रुघ्न सिन्हा ने नाना पाटेकर की याद में एक्स पर एक लंबा-चौड़ा पोस्ट लिखा है, दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन से बहुत दुख हुआ। वे बेहतरीन अभिनय क्षमता वाले, जमीन से जुड़े और थिएटर की दुनिया के भी जाने-माने कलाकार थे। नाना पाटेकर फिल्म इंडस्ट्री के सबसे शानदार और लोकप्रिय सितारों में से एक रहे हैं। वे अपने दमदार अभिनय के लिए जाने जाते थे। उन्होंने 3 नेशनल फिल्म अवॉर्ड जीते थे। इस मुश्किल घड़ी में उनके परिवार, दोस्तों, समर्थकों और प्रशंसकों के लिए मेरी प्रार्थनाएं हैं।





